2503

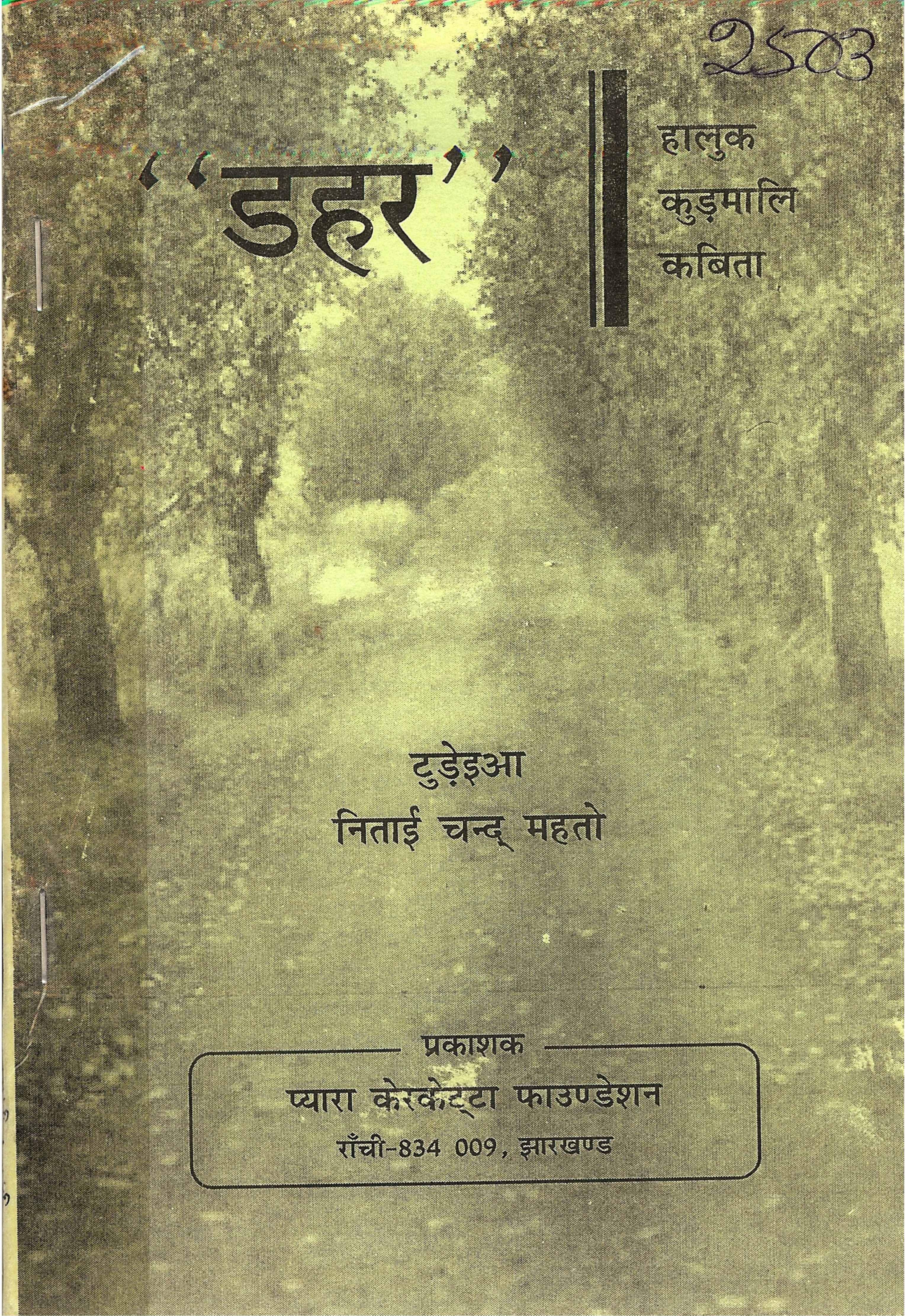

“‘डहर’”

हालुक
कुड़मालि
कबिता

टुड़ेइआ
निताई चन्द् महतो

प्रकाशक
प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
राँची-834 009, झारखण्ड

BVP-1703
26/10/17
G-2355
1/2.

BVP CHECKED
DEC 2017

BVP02503

books sent by satyadeo munda Dahar-Haluk
Kudmali Kavita

BVP02503

हालुक कुड़मालि कबिता

''डहर''

टुड़ेइआ

नितांई चन्द्र महतो

प्रकाशक

प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन

राँची-834 009

प्रकाशक - प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन, राँची-834 009

पेहिल खेप - 2009

आखाइन जातरा 2009

टाइप सेटिंग एवं मुद्रण - सुदर्शन प्रेस, चर्च रोड, राँची

फोन नं. 92343 51373, 94311 69585

एकतिआरि - टुड़ेइआ

© लेखकाधिन

पथि पाउएक ठेकान -

* राधेश्याम पुस्तकालय

  बलियापूर, धनबाद-828 201

* झारखण्ड झरोखा

  रातू रोड, राँची

* जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग राँ०वि०, राँची

दाम- 15/- रु०

“छेउनि”

जहाइर,

माञ भाखा कुड़मालि, मञए सिखलं, माञएक करा लिहिं । जखन आल-ले-ठाड़ हेल, रसे-रसे सिआन हेल, तखन बेजाञ हुबे फदरे लागलं, मेनतुक एकर कि नाम ? ताकर कनअ टआ ठेकान नि पाउलं । इसकुलें तअ खालि हिनदि इंगरेजिए पढ़ाइ हेहेइक, मेनतुक डहरें आरे गप-सप गिला तअ माञ भाखाहिं फदरेहेलं । ढेइर खुन परें बुझलं इ तअ कुड़मालि भाखा ।

जखन मञ जानलं एकर पढ़ाइ इसकुल कॉलेज हेइक, तखन मर मगज ठनकलेक, मञअ रिचिक आधेक माञएक रिन सुधाम, रहे भाभना लेइ कबिता लिखेइक उचरेइन ।

जिनगिक डहरे कबे? किना? केसन? बेरा आइक आर चलति बेराक चाइल-ढाइल कर बाखान संगे-संगे हालुक हड़ेक मगजे किना-किना बरकइक से भाउ गिला “डहर” पथिञ उचराइल आहे ।

पथि छापाउएक तेहे नाना एकमेक कसनि करे हेलिं । एकर-अकर दुआर घुरि-घुरि पहचलं छापाखाना । छापे लाइ माथाला रांचिक “सुदर्शन प्रेस” एखरा भजअ-कटअ माखिकुहुन छापला “डहर” कुड़मालि कबिताक पथि । ताकर लेल मञ एखर रहलं रिनि ।

छापाएं भूल हेइ पारेक, पढ़हुआराञ पढ़बेहे सुधड़ाइ कुहुन, एहेटाइ मर तहराक ठिन नेहर आर गहाइर !! जहाइर

तारिक- 15.01.2009

आखाइन जातरा

टुड़ेइआ

निताई चन्द्र महतो

दुइ साड़ा

जीबनेक जातराएँ जे डहरे लग चलि जात से डहरे जिबनरूपि घाँ लरूआए जाइक। आइज एहे लरूआल घांसेक डहर बाँका-ढेंका । कतन लगेक जे इ-घाँसे पाँअ गिरल आहेइक सेइ एकेकटा घांसेक काथा कबि आपन मनेक भाव 'डहर' कबिताक माध्अयमे उदागर करल आहे । साड़ माहान धाइर पासकर छाप रहलहु आर तुकाताअमक निरहलहु भाउ बेजा गहरा आहेइक । 'डहर' पथिक कबिता महान लगभग 24टा कबिता कबि रचल आहे आर कुड़मा कबिक पाँइते डाँडाएक चेसटा करलाक एहे टा सउब ले बड़अ । मञलि श्री निताई चन्द्र महतो के बिसेस भाभे धनअबा आर बधाइ देञला जे एसेने भाभे कुड़मालि सइभ साहित कर बिकासेक ते आगुबाटे आरअ रचनातमक काम करअ ।

डॉ० वृन्दावन महतो
विभागा अध्यक्ष
जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा
विभाग
मारवाड़ी कॉलेज, राँची

डहर

गनान – कबिताक नाम		पिठ लेखा
1.	डहर	01
2.	बेरा डुबाक डाक	02
3.	एक कुटुम	02
4.	मनेक भरम	03
5.	सेंस चिठि	04
6.	मेहरारू	05
7.	छिड़ल खाइट	06
8.	तहिं कहें	07
9.	आझुक हड़	08
10.	मके चाहि	10
11.	एक सिंथा सिंदुर	11
12.	टाना झिंका	12
13.	आंगराक आइग	13
14.	अना गअ कबिता	14
15.	छिड़ल आंगा	15
16.	ठिक-ठाक	16
17.	बिर	17
18.	भिकमांगा	18
19.	बेइरसा	19
20.	गाइछ	20
21.	घुरलउ नाञ	21
22.	कड़हि	22
23.	मञ तअ खालि मञ	23
24.	पुचकाइस ना	24

1. 'डहर'

दुख–दरद गुमानकर डहरे
थकल आहेइ मर गड़,
कते धुर मके चलेक आहेइ
कबे आउतेक मर ठिकान –1

गुमानकर गलिञ कांटाक डहरे
चुभअइ तालुञ –सुइ
केउ नि दरद जानइ निजेक
आनता जे मर हितेक फुल–2

काटे तअ हेतेइ कनअ हाले
कइसे पार करम दुखेक पाहाड,
जितल बाजि हारि गेल मञ
आंगुर फुटा करि रहल मन–3

मञए तअ सउब बांटअल
दुनिआकर खातिर बेकार
खालि झला हाथे लेइ एबार
डहरल एकाइ हेइ लाचार–4

धुंध बासाते कर डहरे
जिनगानि लिलाकर पांताञ
कि केसन कबे पहचम
मर ढिड़ा तअ उपार–5

: थुकुम :

2. "बेराडुबाक डाक"

जिनगि आइज हड़ेक, एसन ढेहे लागअल
जिसन उगतेक सुरज, नि आर कबहु,
सांझेक पेहलिहिं एसन, ढेहा तर
मरेक पेहलिहि एसन, मरन तर–।
एसन धरने टुनाञ लागअल, आइज जिनगानि,
कबे पजुनतअ डहर देखताक हड़के–।
छाड़ निति आधअड़ तञ, एबार आगु बाढ़े
छाड़ टाइड़के एबार, पाहाड़े चेंढ़ें–।
आझुक राइत आंखिञ, काटल तअ किना
काइल बिहान लिहिं पाउएक बतर कर–।
भअरेक कारिञ, सुरुजेक लालिञ
बाटे लागअल खभर तके–।
फाड़ि फेक आधअड़, एहे एबार गुदड़ि
रंग धअरिले, तञ एक नउतुन साजाएक–।

: थुकुम :

3. "एक कुटुम"

घारके नाञ घार बनाञ पारल
खालि उ एक खडहर रहि गेल–।
पाटाल रहि निगिभर जाके रकते
अहु मर खातिर एक कुटुम बनि गेल–।
जखाञ थापल मके जाके अहुँ
संग नि दिए पारल, मरेक खाइट तक,
हिआञ खालि अकरउ नाम रहि गेल–।
घारके नाञ घार बनाञ पारल

खालि उ एक खडहर रहि गेल।
गटा उमेइर मेड़अइत गेल, छितराल नाताके
सउब नाता इहां लभि बनि गेल,–।
खालि साड़ा आहेइ मर निजेक, संगे लेखनिअ
कबिता, कखनउ नाटक, कखनउ केहनि बनि,
एखरा जगे मरनाम कराइ गेल–।
मान सममानले हिआ नि भुलाइ
अकताल बेजाञ, फहमे पहर नि काटअइ
करअल घाउ निजेक लके, गाढ़ा एसन
बाचअल हिआञ दाग रहि गेल,–।
घारके नाञ घार बनाञ परल
खालि उ एक खडहर रहि गेल–।
पाटाल रहि निजगिभर जाके रकते
अहु मर खातिर एक कुटुम बनि गेल–।
: **थुकुम** :

4. 'मनेक भरम'

बिरसा कर नाम लेल–
आंइख मुदाल, आंइखे पानि भरल
उहा बिरसा रहल–डमबरा नि रहल–।
रहिम के डाकल
घेंचा गिरि गेल, मिटिक भरल
मिटिक मुंदाञ गेल
रहिम रहल–अकर मसजिद नि रहल–।
रहल खालि, आंधार आकास

रंग–सुभअ आकास,
सचल, इटा मर मनेक भरम हेकेइ
गिआनिले सुधिआल बेंइरागिले सुधिआल
सांप–खेला–फकिर आरअ रिसि–मुनिले सुथिआल
मनेक भरम कसे दुर करम–?
एक मते सभिञ कहला–
मनेक भरम निहि संतअ इटा संतअ हेकेइ–।

: थुकुम :

5. 'सेंस चिठि'

निजगानि कर सेंस चिठि
मञ लिखम् तअ नामे काकर,–?
निजेक अनुभअकर जाइदात
मञ लिखम तअ नामे काकर–?

साड़ा सउब लरे डुबि मिलि गेल
सउब दिगे खालि दरदेक बातास
निकनअ गुनगान नि कनअ ताल गुड़िअ
ताउ मर पासे बाचल इआदेक डिड़ा–।

गुमाने डुबल गटा मुलुक
मञ लिखम तअ नामे काकर–?

ना तअ कनअ फुल, ना पात हारा
गाछेक सउब डाइर सुखि टागाञ आहे
आर लतउ इहां सिकड़ि डाड़ाइ आहे
बनेक राजा इहां मनझाने आहे–1

निकास कर सेंस चिठि
मञ लिखम तअ नामे काकर–?

हाड़ मांसकर आकासे हेल कुहरा
फाराक तक पसरल आहेक खालि हाइ निसास
केउ आहे जेञ हाड़के दान देइक
डबडब हेल सउब आइखके मान देइक–।

चांदेक डुल इ भालअबासा
मञ लिखम तअ नामे काकर–?

: थुकुम :

6. 'मेहरारू'

छउआलि, आजाक आंगनाञ काटल
दुलारेक इहां, छात पाअल–1
इ मर सुख, कुछु दिनेक खातिर
एबार सनाक खांचाक साजा पाअल।
आंगना, छउआलि, सहेलि, सउब छुटल
मर सउब सपन फुटल।

आइज निजेकहिं भुलाला
मर हिआके कांदाला
राग, रूस, सिकाइत काकरले,
इ निजेक हेकेइ, खांटि निजेक।

एकर उपर मर आइझअ, सान आहे
मेनेक कांहु हिआञ दरद, तअ गुमान आहे।

कबे तक रिते, मके बांधि राखता
सिता, साबितरि कर पारा सतिकर पारिखाञ झांपाता।
एबार मकउ कहेक आहे
चुप निहि रहेक आहे।

जिनगिटा मर हेकेइ
एके मके जिएक आहेइ।

मर निजेक चिनहा आहे
निजेक निजकर खातिर, आतम् संमान आहे
मर धराञ हेउआ, एक बरदान आहे
मके निजेक मेहरारू हेइक अभिमान आहे

: थुकुम :

6. "छिड़ल खाइट"

मञ खाटिक, छिड़ल पुथाड़
मके बाहिर फेकिस ना
राखबे जतन करि
कनाञ मर गठ–।

एका घार आंगनाञ
करतउ, सभिक मान
रहबे बांधाञ पांताञ
करतउ सभिञ हाका–डाका–।

छउआ–पुता खेलता बुलता
चलता डहर धरि
आंधार रातिञ कांदल छउआ
भुलाता छिड़ल खाटिञ –।

बाहार भितर खेत गटे
करताक काम निफिकिर
थकि बांधि घुरता मुहआंधराञ
जिराता छिड़ल खाटिञ –।

आइज आहे जेञ नउतुन
काइल हेता एहे आधड़
आधड़ेक बुइध हेइक सुधड़
मुलुक निंदात छिड़ल खाटिञ–।

: **थुकम** :

8. "तहिं कहें"

घार–आंगनाञ ठेस बजड़
कुलहिञ डाड़िञ ठेस– बजड़
कट–कचहरिञ हाका–बका
राइज भाखाञ धाका–मुका
तहिं कहें मञ–
जाम तअ कन डहरे ?

बाहरिआञ करलाक, घाघर घेरा
बुइध रहअइते, देला आंखिञ धुरा
झपटि मारअल, हाथेक पिठा,
तहुँ जे हेकिस, माटिक पुत
तहिं कहें मञ–
जाम तअ कन डहरे ?

इहाँ–उहाँ फकि बुलअत
नुड़ल जुठा दतअइन पातअइर
जेञ–तेञ टानि बुलअहत
कहत तहरा, मर गठेक
तहिं कहें मञ–
जाम तअ कन डहरे–?

सुट बुटे मेसाइ गेला
घेंचाञ टाइ बांधि लेला
कुलहिञ डाड़िञ सड़प बनाला
हेलेक गरू बाछुरेक जिबनजाला,
तहिं कहें मञ –
जाब तअ कन डहरे ?

: थुकुम :

9. "आझुक हड़"

सिंह, चिताले नाञ, एबार हड़ले डर आहे
गटा मुलुके बुझाइ, एबार, राइअसे आहे
दइआ, माइआ, आदअरे, एबार दम छाड़ि देल
छल–कपट करें, सउब जेइगाइ एबार जइ आहे–।

एबार तअ संत, संजन, कन बिदआन आहे
हड़े बुझाइ गिध, इहां एबार आहे
अञ तअ मरेक परे मांस झिकइ
हड़े तअ जिंअत चेबातिहि सिध आहे–।

कुकामलिहिं जदि आइज पइसा पाउअल जाइक
सांप–छुछुआ नाञ, हड़ उहा पहचि जाइक,
बुध आर बुइधकरतअ हाथ, साराइ पाउआइक
छल कपट, फुहड़ तअ, काहा नि, किना करिजात

बुझाइक मंदिरे राम नाञ, डाइन भुत आहात
बाइड़ आर दुसटुले भरअल, बुझइक गटा खेत–टा
ताउतअ, रउज, किरतन, भजअन करत
मेनेक हिआञ संतअ, धुराइ–घुराइ आहे –4

देख ना राम कम, राबन आइज बेसि आहात
सांतअ कर नाञ, पेंदाकर राइज आहे
कन एबार, काकरले, कम आहे भाइ–
सउब–ले–सउब संतअ साहजादा आहे–5

आजादि इटा आपने, हामे आजाद आहिए
अञ मरअइस रजे, मेनेक जिनदाबाद आहे
साधु, संजन, संतकर इ देस नाञ
चर चुहाड़ले गटा मुलुक टाइ आबाद आहे–6

पाहराञ जे आहे, पाहरादार नाञ, रंगदार आहात
अञ दसरकर नाञ, निजेकरे जिमादार आहे
जेञ लेइ जाहेइ, लुटअल आधा–आधा
अञ दसर केउ नाञ, देसकर करन अधार हेके– ।

पिंधना अढ़नाञ, आपन कम, बिदेसि बेसि आहे
नकल जेटा हेअहेइ, आइज अकरे बाहबाहि आहे
देखिस तअ इ–चुइल आर इ–चाइल ढाइल
गटा–के–गटा खाटि बिदेसि आहे–8
नकल जेञ करल, अञ आगु बाढ़ि आहात

धअरा छाड़ि, आकासे चअढ़ि आहे
अखराके तअ इहांक नेगि–चारि बेसे नि लागअइक
आरअ तअ देखे, हअनिमुन मानाइलाइ
अंतरिछ चढ़ि आहे–9

: थुकुम :

10. "मके चाहि"

मके चाहि भात–लुगा
रहेक खातिर घार बाड़ि चाहि,
मके निजेक बापुकर
सरबअदइ धराञ चाहि–1

नि चाहि मञए माइर–काट
मके संसारकर भालअबासा चाहि
मके निजेक बापुकर
सरबअदइ धराञ चाहि–2

जाकर मनतेआगि आर बलिदान–कर डहरे डहरइक
जाकर हिआञ देस–पेरेम कर परदिम जगमगाइक
मके अकरे हाथे थापअल भारतकर मान चाहि
मके निजेक बापुकर
सरबअदइ धराञ चाहि–3

दुरकर देस बिदरअहिके
जेञ मके उसकाइक
निजेक हितकर खातिर देसेक
सुखे आइग लागाइक
मके अकरले नि कनअ लेउआदेउआ आहेक
मके अकर भालअबासा निचाहि,

मके चाहि भात लुगा
रहेक खातिर घार बाड़ि चाहि
मके निजेक बापुकर–
सरबअदइ धाराञ चाहि–4

: थुकुम :

11. "एक सिंथा सिंदुर"

गटाजिनगि टानिके बांधअल
मुठाञ जाकर, भरअल
एक सिंथा सिंदुर–।

माञ बापकर आंइखले
निंद करल उजड़,
एक सिंथा सिंदुर–।

आम महुआञ करल
दुइअ जनके सांखि,
एक सिंथा सिंदुर–।

गड़े तड़ा, कपाले टिकलि
थभड़ाञ आनअल चमक,
एक सिंथा सिंदुर–।

परेक हिआञ परदेस
बाप–घारले बेजाञ धुर,
एक सिंथा सिंदुर–।

संगि भुला–एक तेहे
करल हिंआ मजबुर
एक सिंथा सिंदुर–।

सउब सिंगार गिरलेइ
जखन सिंथाले हेल फाराक,
एक सिंथा सिंदुर–।

पालकिले सारा तक
दुनिआक एहे दसतुर,
एक सिंथा सिंदुर–।

: थुकुम :

12. 'टाना झिंका'

भरअइत–भरअइत दसराक बाहनि
निजेक बाहनि कनाइ टानि,
गङ–धङ घसराल रहल,
टाना झिंकाञ जिनगि काटल–1

मानि–मानिके निजेक धरम्
करल–रहल निजेक धुने काम्
पढ़ि–पढ़ि मअटा पथि
टाना झिंकाञ जिनगि काटल–2

निजे करल तअ जअपे लागअल
मञए करल तअ नापे लागअल
कहि–कहिके तिता–तिता
टाना झिंकाञ जिनगि काटल–3

बिंधे लागअल कलिक काड़ले
खेले लागल जान मानले
अञ जिअल, मञ बिस पिअल
टाना झिंकाञ जिनगि काटल–4

बाझेक डअरे फुचकि देलं
घार छाड़ि टाड़िञ निदालं
आंखिञ गअनि तारा काटल
टाना झिंकाञ जिनगि काटल–5

: थुकम :

13. "आंगराक आइग"

आंगराक आइग जरे दिहिं
सनाके टुएक गेले दिहिं
झरअके एकरा तापे दिहिं
तापि–तापिके गहना बने दिहिं
गेलअलटा–ढालाइ दिहि
आंगराक आइग जअरे दिहिं–1

पेरेमकर परदिम जअरे दिहिं
गितके सुरे गाउए दिहिं
सांझेक परदिम जअरे दिहिं
पांस–पांस हेइके
टुएक मलके दिंहिं
आंगराक आइग जअरे दिहिं–2

पहरके रंग बदले दिहिं
दरदके छातिञ पाले दिहिं
पालि रहल लर मिटिके
एकरा तञ एसने पाले दिहिं
खुइनके टुएक डबके दिहिं
आंगराक आइग जअरे दिहिं–3

: थुकुम :

14. "अना गअ कबिला"

अना गअ जाइत,
अना गअ भाखा
ताकर बिचे आदिबासि
ताउ मरानि खाइए
घाटि संगे खिचड़ि,
ताकर किना माने
खापाउआ तहरा मगज–1

अना गअ कबिला
ताकर गुसटि टअटेमिक
गड़–धड़े देखात
दड़बिड़ डुल हड़
आंइख गिलि रहइक
ढुकि हाड़ेक भितर
खापाउआ तहरा मगज–2

अना गअ भाखा,
भाखाक ठाइने टान
दड़बिक गठेक दिगे,
गेराम थान, रांगहाड़ि
जाहिर थान, बसअमता थान
हेकअत देउआ भुता
खापाउआ तहरा मगज–3

अना गअ हड़
ताकर ढ़िड़ा, बाड़ि
खेत–गट बन धारिञ
नेदि, नाला, पाहाड़
डुंगरि, पाखना सतअ
धअरि करत बसबास
खापाउआ तहरा मगज–4

: थुकुम :

15. "छिड़ल आंगा"

आसाञ आउअत भिकमांगा
दुआइरे डाढ़ाइ मांगअत आंगा,
केउ देथिक केउ निहि
आगु बाढ़त राजाक डरे
छिड़ल आंगा आस करि–1

कतेक हड़े काम करत
छिड़ल आंगा विंधि के
रहि जात दिन सगर
सहि जात रउध पानि
छिड़ल आंगा आस करि–2

छिड़ल आंगा पिंधत चासाञ
काम करत सिनि झिटा
भिजल आंगा सुखाइ पिंधत
राखत करि जतन धरि
छिड़ल आंगा आस करि–3

हाजरि खाटाञ करत काम
बाबु धारे पिंधि छिड़ल आंगा
खअलि राखत आउएक बेराञ
पिंधि लेत जाएक बेराञ
छिड़ल आंगा आस करि–4

नाटक करत छिड़ल आंगाञ
सारकेसे पिंधि बनत जकअड़
नाना रकमेक छिड़ल आंगाञ
खात कामाञ खेला देखाइ
छिड़ल आंगा आस करि–5

16. 'ठिक–ठिक'

धुंध चलइ साञ–साञ
पानि–गिरइ झम–झम
नेदि बहइ कल–कल
घेड़ि चलइ टिक–टिक
चेला तहरा ठिक–ठिक–1

कुकुर कांदअइ काञ–काञ
बिलाइर कांदअइ–मेउ–मेउ
सिआर गांगाइ हुआन्हुआ
भेड़ि गांगाइ भे–भे
कांदा तहरा ठिक–ठिक–2

सांप इड़कइ आंका–बांका
हाथि डहरइ थुरू–थुपु
खाखड़ि डहरइ टेढ़े–मेढ़े
जेगटि चतइ रेंगटि करि
डहरा तहरा ठिक–ठिक–2

चांद घुरइ धराक धारिञ
धरा घुरअइ सूरजेक धारिञ
छउआ घुरइ माञएक धारिञ
माञ घुरइ बापेक धारिञ
धुरा तहरा ठिक–ठिक–4

: थुकुम :

17. 'बिर'

हाथे तिरंगा कांधे बनदुक
हेका तहरा बिर भारतकर
आगुञ–आगुञ डहरा तहरा
ताकाइ पेछु देखिआ ना–1

मर भुञ–मर देस
चेला तहरा छाति–पिटि
गाइठे लेइ गुलि–पिठा
ताका पेछु देखिआ ना –2

लअहा निअर गड़–धड़
बिज्ञान कर बुइध तर
दुसमनके दागा धाञ–धाञ
ताकाइ पेछु देखिआ ना–3

रने–बने बिजुबने खअजा अरूनबने
हेठ–उपर नेदि नाला पाहाड़
खअजा तहरा आतंकबादिक ठाइन
ताकाइ पेछु देखिआ ना –4

रउद बेइरसा आंधि–धुंध
रइहा तहरा ताकाइ–खुन
हेका तहरा बिर भारतकर
ताकाइ पेछु देखिआ ना–5

खेत आइड़ पाहाड़ कअचाञ
बुलिहा तहरा डहर–छाड़ि
हेका तहरा सिंग भारतकर
ताकाइ पेछु देखिआ ना–6

मेटाइ दाहाक नाम आतंकर
गाड़ि आउआ झानड़ा तिरंगा
संगे तहराक देस गटा
ताकाइ पेछु देखिआ ना—7

: थुकुम :

18. 'भिकमांगा'

अञ आउएस ताकाइ मके देखि
आरअ दुइ पका डहर धरि
पेट पिट मिलि एक—।
चेलअइस तिन टेंगें,
एक मुठा दाना, भुख सिराएक तेहे
मुंह फाड़ि फाड़ल झला बाढ़ाइ—।।

मर देखि ठिहरि गेल हिआ
आइज इहां काइल काहां,
केते आस जिउएक सांस—।
आइख मुंदि निंदात गाइछतरे
जदि फर गिरअइ मुड़ तरे—
रहत एहे आसे, चलत डुभा धअरि–

डहरे आइते भुकत गाउएक राजाञ
रहत एरा लाठा—चांगाले कअसे धुर
छउआक डरे आगु ढुआइर—।
कांपि उठइ मुंह डेग,
केसन आहेइ छउआ तर
हेकिस तअ! भारत माञ—।।

: थुकुम :

19. 'बेइरसा'

गरू छागअइर उमकलेइ, आउलेइ डहर धअरि,
बागाल सउब पाराल, आउलेइ बिजलिक ठेर–1
धुंध–बासात आउलेइ, आउलेइ आसाड़ मास,
हड़–हड़ चमकअनि, आउलेइ बेइरसा मास–1

गाइछ–पालाहा उलटाल, आउलेइ पेछिमेक धअका
छाइन–चिरि उड़लेइ, आउलेइ पानिक झिटास
बांध–गेड़िआ भरलेइ, बाहराल सांप बेंग
हार–जुआन बाहराल, आउलेइ चासाक–मास–1

ढेकि–तअरे पानि, खलाल बिटाक चार
चुलहाञ भिंजल झुड़ि, आउलेइ आसाड़ मास–1
डहर हेले किच–किच, बाहराल जेंगटि गेरमेमारि
खाटि–काथा भिंजल, आउलेइ बेइरसा मास–1

आसा–जाउआ हेलेइ बंद, आलेइ डहरेबान,
लुगा–फाटा भिजलेइ, आउलेइ मेजुर नाइच–1
गाइछ हेलेइ हेरिहर, घुरलेइ चासाक हांसि,
हेरिहर हेलेइ आफर गाढ़ि, आउलेइ चासेक मास–1

माइछ–खाखड़ि उमकलेइ, खेत गट चमक लेइ,
फाइन धअति, लुगा पिंधा हेलेइक माना–1
धअंग–छाता बाहराल, सिंगार सउब सामाल
छाइन पाचिर गिरलेइ, आउलेइ बेइरसा मास–1

: थुकुम :

20. "गाइछ"

कन आपन कन पर
सउबके करत एके डुल,
देइक बातास सउभेके
गाइछ तञ कहें एबार–1

फर–फुल मिठा तिता
रउद बेइरसा आंधि–धुंधे
रहइआ तहरा पाहाड़ धारिञ
गाइछ तञ कहे एबार–2

काठ झुड़ि पालाहापात
दिहा तहरा सउभेके,
आपन पेट फाड़ि दिहा
गाइछ तञ कहें एबार–3

गड़–हाथ उठाएक नि चेठा
ताउ उठाइक टेंगलाक चट,
कांदिस नाञ ताउ दरदे
गाइछ तञ कहें एबार– 4

आंधि धुंधे डाढ़ाइ रहिस
बेइरसा काले पानि खाइस,
तातल धकाञ मचड़ाञ उठिस
गाइछ तञ कहें एबार–5

एक टेइगालाञ काटाइ जाइस
गिरिस चड़चड़ाइ, नि उफड़िस
निहिं रकत खालि पानि
गाइछ तञ कहें एबार–6

: थुकुम :

21. 'घुरलेक नि"

आंइख भरलउ लरे
जाइ गिरलउअ गड़े,
हिआ जे टुनालउअ
जड़लउ नाञ जड़ाले–1

उड़ल पांखि आकासे
आइ घुरलउअ खंधाञ,
डिम जे फड़कअलउ
घुरलउ नाञ घुराले–2

कांचा फर पाकलउ
पाकल फर पचलउ
रूपे बहालउ धअनि
घुरलउ नाञ घुराले–3

खेइले गेलउ छउआलि
निंदे गेलउ जउआनि,
बुढ़ानाति देखि कांदले
घुरलउ नाञ घुराले–4

जरलउ बाति रातिञ
दिने गेलउ पराइ
पिआक बाते फांसले
घुरलउ नाञ घुराले–5

: थुकुम :

22. 'कड़हि'

आनाटा छउआ रहइ कड़हि
सुतइ गटा दिन गटा राइत
आनान—बानार देसेक नाञ चिनता
रहइ सपअने करइ काम सपअने—1

खाएक दाएक पाइस खाइटतरे
सुति उठअइ दुपर बेराञ,
रउद बेइरसा जाड़ रहइ एकेडुल
रहइ सपअने करइ काम सपअने—2

आढ़ान बातान जगाड़ कनअ निहि
जेनि छउआञ करत निजेक मने,
कन काहां निहि रहइक मने
रहइ सपअने करइ काम सपअने—3

साइझें जात बांध थथि कुटे
रातिञ आइ खाइ जाइ सुते
बछर—बछर रहइ एसन करि
रहइ सपअने करइ काम सपअने—4

जखन जात ससुर धार सालाक बिहाइ
आउअत परे, गटा आंध—मास
अञ कांदइ परे रदन धअरि
रहइ सपअने करइ काम सपअने—5

जागें ह हेलउ फेरिछ बिहान
ताकाइ आकास दिगे डाकअ तके
आउले पेछु नि पाउबे ठाइन
रहइ सपअने करइ काम सपअने—6

जागा आर जागाउहान पानि ढारि
निताइए कहइ तके रदन धअरि,
तहरा कामें लागा चाड़े करि
रहइ सपअने करइ काम सपअने

: थुकुम :

23. 'पुचकाइस ना'

जेटा ले मञ फाराक,
कसनि करल रहे हेल,
अहे आल मर
डहर धारिञ एबार,
पुचकाइस ना माइरि–!
एहे मर डहर–1

चारा छिटअल दसर डहरे
मञ डहरल अहे डहरे,
जन डहरे डहरल
मर मन गड़–धड़
पुचकाइस ना माइरि–!
एहे मर डहर–2

जेञ मके उसकाल रहल
पढ़े आर पढ़ाएक तेहें,
अकरे डहरे डहरल
आर डहर पाउअल
पुचकाइस ना माइरि–!
एहे मर डहर–3

छाड़िस ना निजेक डहर
राखबे डहर जतन करि,
डहरे आइक कांटा झांटा
गड़ थामाइस फांका फांका,
पुचकाइस ना माइरि – !
एहे मर डहर –3

: थुकुम :

24. 'मञ तअ खालि मञ'

कि करम जानि मञ
डहर धारिञ रहलं मञ
कि सउआद कि तिता
मञ तअ खालि मञ – 1

भात कानि टानि लेल
आंइख फाड़ि भालि गेल
कि खाम कि पिधम्
मञ तञ खालि मञ–2

हुड़का खअलि ताकाइ रहल
खाइट धअरि कुकड़ि रहल
कन आल कन गेल
मञ तअ खलि मञ–3

एक गेलि छरकि उठि
एक गेलि मलकि उठि
कानि गेलि हुंका टाने
मञ तअ खालि मञ – 4

गड़ हाथे सिकल बांधल
टाइड़ एबार पाहाड़ बनल
हिआञ तउ दिआ जरल
तञ तअ खालि मञ – 5

कवि चिनहाप

नाम - निताई चन्द्र महतो

जन्म - 05.08.1978 ई०

गाँव - छाताकुल्ही, डाकघर, प्रधानखंता,
धनबाद, झारखण्ड

माता - श्रीमती कलावती देवी

पिता - श्री भूषण चन्द्र महतो

शिक्षा - 1994 ई० मैट्रिक हाई स्कूल प्रधानखेता, धनबाद

1997 ई० आई० एससी० बी०बी०एम० कॉलेज,
बलियापूर, धनबाद

2005 ई० स्नातक सिंदारी कॉलेज, सिन्द्री,
वि०भ० विश्वविद्यालय, हजारीबाग

2008 स्नातकोत्तर वि०वि० जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा
विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची

कार्य-क्षेत्र - विभिन्न क्षेत्रों में

अप्रकाशित पुस्तकें -

1) आंधरिआ राइत - कुड़मालि उपन्यास

2) कुड़मालि चिनहाप - भाषा परिचय

3) कुड़मालि साड़ा आड़ांग - कुड़मालि-हिन्दी शब्दकोष

दाम - 15/- रुपये (पन्द्रह रुपये मात्र)